**भारत सरकार**
**विदेश मंत्रालय**
**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या 81**

**दिनांक 02.02.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए**

**हेनले पासपोर्ट सूचकांक 2024**

**81. डॉ. जी. रणजीत रेड्डी:**

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या हेनले पासपोर्ट सूचकांक 2024 के अनुसार भारत अभी भी 80 वें स्थान पर है जो वर्ष 2018 के 81 वें स्थान से मात्र एक स्थान बढ़कर वर्ष 2023 में 80 वें स्थान पर पहुंचा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और भारत द्वारा अपनी स्थिति में सुधार नहीं ला पाने के क्या कारण हैं और यह रैंकिंग में सेनेगल और टोगो के साथ है; और

(ग) सरकार द्वारा रैंक को 50 से नीचे लाने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे है?

**उत्तर**
**विदेश राज्य मंत्री**
**[श्री वी. मुरलीधरन]**

(क) से (ग) कुछ निजी संस्थाएं हैं, जो स्वयं अपने द्वारा तय किए गए मापदंडों के आधार पर ऐसी रेटिंग प्रकाशित करते हैं। भारत सरकार उन देशों की संख्या में वृद्धि करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है जो देश भारतीय नागरिकों को दुनिया भर में यात्रा करने में आसानी के लिए वीज़ा मुक्त यात्रा, आगमन पर वीज़ा और ई–वीज़ा सुविधाएं प्रदान कर सकें। आज की स्थिति के अनुसार, 16 देश भारतीय पासपोर्ट धारकों को वीज़ा–मुक्त प्रवेश, 40 देश आगमन पर वीज़ा सुविधा और 47 देश ई–वीज़ा सुविधा प्रदान करते हैं। वर्तमान में भारत 171 देशों के नागरिकों को ई–वीजा की सुविधा प्रदान कर रहा है।

तथापि, वीज़ा जारी करने संबंधी नीतियां तैयार करना संबंधित देश का संप्रभु मामला है और वीज़ा मुक्त प्रवेश/आगमन पर वीज़ा सुविधा प्रदान करने का मामला द्विपक्षीय संबंधों और पारस्परिकता के सिद्धांत सहित विभिन्न कारकों पर भी निर्भर करता है।

*****